

## असोधार्ग EXTRAORDINARY

भाग II—इण्ड 3—उप-इण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रतिथकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 243[ No. 243] नई बिरुली, शनियार, मई 19, 1984<sup>/</sup>वैशाख 29, 1906

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 19, 1984/VAISAKHA 29, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या. दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this, Part in order that it may be filed as a separate compilation

## उद्योग मंत्रालय

(भौद्योगिक विकास विभाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 19 मई, 1984

का॰ था॰ 392 (श्र)/18ए/भी॰ वि॰ वि॰ वि॰ वि॰ स्थारत सरकार के भीशोगिक विकास मंद्रालय के भ्रादेश सं॰ का॰ था॰ 725(भ्र)/18ए भी॰ वि॰ वि॰ प्र०/72, तारीख 25 मवस्थर, 1972 (जिसे इसमें भ्रागे उक्त सादेश कहा गया है) दिश्य मैंसर्स इंडिया मशीनरी कस्पनी निमिटेड, हाबड़ा नामक सम्पूर्ण भीशोगिक उपक्रम का प्रबन्ध 24 नवस्थर, 1977 तक की, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है के लिए प्रवन्ध ग्रहण कंरने के लिए एक प्रबन्ध बोर्ड को प्राधिकृत किया गया था;

श्रीर भारत संस्कार के उद्योग मंद्रालय (श्रीश्रोगिक विकास विभाग) के श्रादेश सं० का०था० 630 (श्र)/18ए/श्री०वि०वि०य०/77, तारीख 24 भगस्त, 1977 द्वारा उक्त श्रादेश को उपांतरित किया गया था और भारत सरकार का झीशोगिक पुनर्गठन निगम लिमिटेड, कलकत्ता को उक्त उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था:

भीर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (भीद्योगिक विकास विभाग) के स्रादेश सं० का०सा० 784 (म्र)/18ए/मी०वि॰वि॰स०/77, तारीख 24 नवस्वर, 1977, सं० का०ग्रा० 747 (ग्र)/18ए/ग्री॰वि॰वि॰ग्र॰/79, तारीख 25 नवस्वर, 1979, सं० का०ग्रा० 900 (ग्र)/18ए/ग्री॰वि॰वि॰ग्र॰/80 तारीख 21 नवस्वर, 1980, सं० का०ग्रा० 827(ग्र)/18ए/ग्री॰वि॰वि॰ग्र०/81, तारीख 24 नवस्वर, 1981, सं० का०ग्रा० 343(ग्र)/18ए/ग्री॰विवि०ग्र०/82, तारीख 24 मई, 1982, सं० का०ग्रा० 833(ग्र)/18ए/ग्री॰वि॰वि॰ग्र०/82, नारीख 24 नवस्वर, 1982, सं० का०ग्रा० 371(ग्र)/18ए/ग्री॰वि॰वि॰ग्र०/83, तारीज 21 मई, 1983, ग्रोग सं० का०ग्रा० 385(ग्र)/18ए/ग्री॰वि॰वि॰ग्र०/83, तारीज 21 मई, 1983, ग्रोग सं० का०ग्रा० 855(ग्र)/18ए/ग्री॰वि॰वि॰ग्र०/83, तारीज 24 नवस्वर, 1983, ग्रारा उपन प्रादेश की ग्रविश्व 24 मई, 1984 तक, जिस्के प्रस्पंत यह सारीज भी है, के लिए बड़ा दी गई थी,

भीर अब, केन्द्रीय सरकार की राय में उत्तन आदिश की श्रवधि सारीख 24 न्वस्वर, 1984 नक की श्रवधि के लिए जिसके पत्नगैत यह नारीख भी है, और बहाया जाना लोकहिन में समीचीन है;

श्रतः श्रब, केन्द्रीय मरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) श्रिष्टिन नियम, 1951 (1951 का 65) की क्षारा 18क की उपजारा (2) हारा प्रशत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निवेश देती है कि उक्त श्रादेश 24 नैवस्बर, 1984 सक, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है की श्रवधि के लिए और प्रभावी रहेगा :

> [फा॰सं॰ 2(11)/80-सी॰यू एस॰] ए॰पी• सरवन, संयुक्त सचिव

223 GI/84

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

## ORDER

New Delhi, the 19th May, 1984

S.O. 392(E) 18A IDRA 84.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 725(E) 18A IDRA 72, dated the 25th November, 1972 (hereinafter referred to as the said Order), a Board of Management was authorised to take over the management of the whole of Industrial Undertaking known as Messrs India Machinery Company Limited, Howrah, for a period of five years upto and inclusive of the 24th November, 1977;

And, whereas, the said Order was modified by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 630(E)|18A|IDRA|77, dated the 24th August, 1977 and the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta was authorised to take over the management of the said undertaking;

And, whereas, the duration of the said Order was extended by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial

Development) No. S.O. 784(E) | 18A | IDRA | 77, dated the 24th November, 1977, No. S.O. 747(E) | 18A | IDRA | 79, dated the 22nd November, 1979, No. S.O. 900(E) | 18A | IDRA | 80, dated the 21st November, 1980, No. S.O. 827(E) | 18A | IDRA | 81, dated the 24th November, 1981, No. S.O. 343(E) | 18A | IDRA | 82, dated the 24th May, 1982, No. S.O. 833(E) | 18A | IDRA | 82, dated the 24th November, 1982, No. S.O. 371(E) | 18A | IDRA | 83, dated the 21st May, 1983 and No.S.O. 855(E) | 18A | IDRA | 83, dated the 24th November, 1983 for a further period upto and inclusive of the 24th May, 1984;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 24th November, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall confinue to have effect for a further period upto and inclusive of the 24th November, 1984.

> [File No. 2(11)|80-CUS] A. P. SARWAN, Jt. Secy.